



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

6 वैशाख 1939 (श0)

(सं0 पटना 330) पटना, बुधवार, 26 अप्रील 2017

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद
विद्यापति मार्ग, पटना-800001

अधिसूचना

10 नवम्बर 2016

सं0 2207—औरंगाबाद जिलान्तर्गत श्री कृपाली साईं मंदिर ग्राम— पटनवां, पो0+पंचायत—पड़रावां, थाना—जम्हौर पर्षद के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसका निबंधन सं0— 4412 है।

इस न्यास के संबंध में सर्वप्रथम स्थानीय जनता का आवेदन, मंदिर का फोटो, मंदिर की भूमि का नक्शा एवं खतियान की छायाप्रति सहित प्राप्त हुआ। आवेदन में मंदिर का निबंधन पर्षद में करने का अनुरोध किया गया। उक्त आवेदन के आलोक में पर्षदीय पत्रांक—1380, दिनांक 29/07/15 द्वारा अंचलाधिकारी, औरंगाबाद से न्यास के संबंध में जांच कर प्रतिवेदन की मांग की गयी। इसके आलोक में अंचलाधिकारी, औरंगाबाद का पत्रांक—1233, दिनांक 09/09/15 का प्रतिवेदन प्राप्त हुआ। प्रतिवेदन के साथ प्राप्त हलका कर्मचारी के प्रतिवेदन में मंदिर का निबंधन करने का आग्रह किया गया। इसके उपरांत पुनः अंचलाधिकारी, औरंगाबाद को पर्षदीय पत्रांक—2239, दिनांक 08/10/15 द्वारा “मंदिर की ऐतिहासिक एवं पौराणिक महत्ता एवं मंदिर का निर्माण काल आदि के बिन्दु पर जांच कर प्रतिवेदन की मांग की गयी। तत्पश्चात अंचलाधिकारी, औरंगाबाद का पत्रांक—1838, दिनांक 04/12/15 द्वारा प्रतिवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें मंदिर का निर्माण 35 वर्ष पूर्व का बताया गया एवं निबंधन का आग्रह भी किया गया है। तदुपरांत मंदिर का निबंधन दिनांक 08/01/2016 को पर्षद द्वारा किया गया। निबंधन के उपरांत न्यास की व्यवस्था हेतु न्यास समिति गठन की आवश्यकता हुई। इस हेतु अंचलाधिकारी, औरंगाबाद से समिति गठन हेतु पत्रांक—4281, दिनांक 30/03/16 द्वारा स्थानीय स्वच्छ छवि के 11 हिन्दू सज्जनों के नामों की मांग की गयी, जिसके अनुपालन में पत्रांक— 1197, दिनांक 20/07/16 द्वारा 11 नामों की सूची, उनके पदनाम एवं पूरा पता सहित अंचलाधिकारी, औरंगाबाद द्वारा पर्षद को प्रेषित की गयी। प्राप्त नामों की सूची के आधार पर न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा—32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार, जो धार्मिक न्यास अधिनियम की धारा—81 (1) (ख) एवं 8 (क) के तहत प्रशासक को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए “**श्री कृपाली साईं मंदिर**, ग्राम—पटनवां, पो0+पंचायत—पड़रावां, थाना—जम्हौर, जिला—औरंगाबाद” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति गठित की जाती है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री कृपाली साई मंदिर न्यास योजना, ग्राम- पटनवां, पो0+पंचायत- पड़रावां, थाना- जम्हौर, जिला- औरंगाबाद” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री कृपाली साई मंदिर न्यास समिति, ग्राम- पटनवां, पो0+पंचायत- पड़रावां, थाना- जम्हौर, जिला- औरंगाबाद” होगा, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की संपत्ति की सुरक्षा, संरक्षण एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ, भक्तजन एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।

4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा। न्यास समिति इस आदेश के साथ संलग्न मार्गदर्शिका/प्रपत्र का अनुपालन सुनिश्चित करेगी।

5. न्यास समिति पर्वद अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के आय-व्यय की विवरणी, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि सम्यक रूप से पर्वद को प्रेषित करेगी।

6. अध्यक्ष की अनुमति से उपाध्यक्ष न्यास समिति की बैठक आहुत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलायी जायेगी और अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष द्वारा बैठक आहुत की जायेगी। बैठक की सूचना सभी सदस्यों को पहले दी जायेगी। बैठक की कार्यवृत्त पर्वद को प्रेषित की जायेगी।

7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद के अनुमोदन के लिए भेजेगी।

8. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि “यदि कोई हो तो”, उसकी वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्यवाई करेगी।

9. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।

10. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाये जायें या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्यवाई की जाएगी।

11. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्वद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए अंचलाधिकारी, औरंगाबाद द्वारा अनुशंसित निम्नलिखित सदस्यों को न्यास समिति गठित की जाती है:-

(1) श्री अखिलेश लाल पिता- कामेश्वर प्रसाद, पटनवां, पो0- पड़रावां	—	अध्यक्ष
(2) श्री अशोक सिंह पिता- स्व0 तपेश्वर सिंह, जगदीशपुर, पो0- पड़रावा	—	उपाध्यक्ष
(3) श्री शशीकान्त पिता- स्व0 राम प्यारे राम, जगदीशपुर, पो0- पड़रावां	—	सचिव
(4) श्री दिनेश्वर मेहता पिता- स्व0 वासुदेव मेहता, पटनवा, पड़रावां	—	कोषाध्यक्ष
(5) श्री बिक्रम यादव पिता- स्व0 तपेश्वर यादव, पटनवा, पड़रावां	—	सदस्य
(6) श्री सुरेन्द्र सिंह पिता- इन्द्रदेव सिंह, जगदीशपुर, पड़रावां	—	“
(7) श्री प्यारे प्रजापति पिता- स्व0 रामचन्द्र प्रजापति, जगदीशपुर, पड़रावां	—	“
(8) श्री राम पुकार साव पिता- बुधन साव, पटनवा, पड़रावां	—	“
(9) श्री मुनु सिंह पिता- स्व0 अर्जुन सिंह, चित्रगोपी, पड़रावां	—	“
(10) श्री अवधेश यादव पिता- इन्द्रदेव यादव, वतवां, पो0- रामचन्द्रनगर	—	“
(11) श्री संजय सिंह पिता- स्व0 रामजीत सिंह, चित्रगोपी, पड़रावां	—	“

12. इस न्यास समिति का कार्यकाल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से 05 वर्षों का होगा। एक वर्ष के बाद न्यास समिति के कार्यों की समीक्षा की जायेगी और कार्य संतोषप्रद पाये जाने पर उनकी निरन्तरता कायम रहेगी।

विश्वासभाजन,
संजय कुमार,
प्रशासक।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 330-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>